

an. 3, 342. m. n. MED. dh. 29. R. 6, 83, 28. दृश्यामायतां कृता (वेदीम्) न-  
वोत्सेधाम् MBh. 3, 10207. कूर्मस्त्रियोजनोत्सेधः 1, 1369. शार्द्रमक्षिपचमी-  
त्सेध सुच. 1, 63, 3. पयोधरोत्सेध KUMĀRAS. 3, 8. 24. सोत्सेध hoch (dick)  
DAḢ. 1, 43. — 3) das Ueberragen, Erhabenheit (übertr.): मक्षीपसि मक्षे-  
त्सेधाम्नित्राणां तु सतामिह R. 6, 82, 44. — 4) Körper AK. 3, 4, 98. H.  
an 3, 343. n. MED.

उत्स्यल (उद् + स्थल) n. N. pr. einer Insel KATHĀS. 23, 33. 39.

उत्स्यं (von उत्स) adj. aus Quellen, Brunnen stammend: घ्रापः AV.  
19, 2, 1.

उत्स्वप्राप् (von उद् + स्वप्), उत्स्वप्रापते im Schlafe sprechen MBh. 49, 7, 10.

1. उद् Nipāta, Upasarga (Nir. 1, 3) und Gati gaṇa चादि und प्रा-  
दि (vgl. P. 1, 4, 57—60) Vop. 1, 8. 1) *hinauf, auf*; 2) *hinaus, aus*. Wird  
nicht abgesondert gebraucht; in den seltenen Fällen im Veda, in wel-  
chen es nicht von einem Zeitwort begleitet ist, muss ein solches aus  
dem Zusammenh. ergänzt werden, z. B. सिञ्च in उडुत्सं शतधारम् AV. 3,  
24, 4. ein Zeitwort des Erreichens in उडुत्सं शतधारम् 5, 9, 8. Im Veda  
bisweilen wiederholt P. 8, 1, 6. किं नोडुडु कृषे Sch. उद् verbindet sich  
häufig in den beiden oben angegebenen Bedd. mit einem nom. zu einem  
comp.; in Verbindung mit adj. dient es zur Steigerung des Begriffs.  
Die Lexicographen, welche auch die übertragenen Bedd. der mit उद्  
verbundenen Zeitwörter vor Augen haben, geben folgende Bedd. an:  
प्रधाने, प्रकाशे, प्रागल्भ्ये (MED. प्राबल्ये), अस्वास्थ्ये, शक्तौ, विभागे, बन्धने,  
मेलने, भावे, लभे, ऊर्ध्वकर्माणि H. an. 7, 4. MED. avj. 38. — Von उद् abge-  
leitet: उत्क, उत्कट, उत्तम, उत्तर, उत्तरम्, उत्तराम्, उडुत्सं.

2. उद्, उन्द्, उन्नैति (उन्दति) DHĀTUP. 29, 20. औनद्: ऊडुत्सं; 1) *quellen*.

— 2) *benetzen, baden*: घृतपुष्पा मन्सा कृष्यमुन्दन् RV. 2, 3, 2. उन्नति भूमिम्  
5, 83, 4. AV. 6, 68, 1. 2. यत्र क्षाप उन्दत्यस्तिष्ठति तदोषधयो वापते Çat.  
Br. 7, 5, 2, 47. उन्दती: KĀTJ. Çr. 25, 11, 22. 7, 2, 9. श्मश्रूणि येनन्दते AV.  
5, 19, 14. VS. KĀNYA p. 36. Nir. 2, 24. शिरस्त्रिरुन्दति ĀÇV. GRHJ. 1, 17.  
KĀTJ. Çr. 5, 2, 14. दन्तिषां गोदानमुन्दति PĀR. GRHJ. 2, 1. — partic. उन्नै und  
उन्नै P. 8, 2, 56. Vop. 26, 98. उन्न 1) *benetzt* H. 1492. an. 2, 259. MED. n. 2.  
AV. 3, 12, 4. घृतोन्न KĀTJ. Çr. 15, 3, 10. 16, 4, 35. — 2) *mitteilidig* (vgl. शार्द्र)  
H. an. MED. — उत्त *benetzt, nass* AK. 3, 2, 55; vgl. — नि und — वि. —  
caus. aor. औन्दित् Vop. 18, 1. — desid. उन्दिषति P. 6, 1, 3, Sch. —  
Vgl. उन्दन.

— अभि *benetzen, überströmen*: उन्नतैर्नमभि मधो घृतेन RV. 5, 42, 3.  
प्रवित्रमभ्युन्दतः (gen.) 9, 61, 4. Çat. Br. 3, 1, 2, 6. असाविमां वृष्ट्याभ्युनति  
Ait. Br. 1, 7.

— अघ s. अघोद.

— उप *benetzen*: उपोनति Çat. Br. 1, 3, 2, 4.

— नि partic. न्युत *eingetaucht, benetzt*: घृते न्युता भवति Çat. Br.  
6, 6, 2, 13. 9, 2, 2, 3, 7.

— वि 1) *hervorquellen*: यत्रा समुद् स्फुलिता व्यौनत् RV. 10, 149, 2.  
— 2) *beträufeln, benetzen*: श्रादिहृतेन पृथिवी व्युद्यते RV. 1, 164, 47 (AV.:  
व्युडुः). व्युन्धि 5, 83, 8. 83, 3. 1, 38, 9. 88, 5. व्युन्दती AV. 18, 3,  
72. 4, 57. partic. व्युत् TS. 3, 1, 9, 3. — Vgl. व्युन्दन.

— सम् *benetzen*: ताभिर्हि शिरः समुद्य PĀR. GRHJ. 2, 1. zur Ableitung

von समुद् Nir. 2, 10. — partic. समुन् *benetzt, nass* AK. 3, 2, 55. H. 1492.

उद् (von 2. उद्) n. Wasser ÇABDAR. im ÇKDr. Tritt nur am Anfange  
(P. 6, 3, 57—60) und am Ende (P. 6, 3, 57, Vārtt.) von comp. auf, wech-  
selt aber auch hier häufig mit उदक. लोहितोद adj. f. आ R. 4, 44, 65. 6,  
19, 13. मणिनिकाशोदा 2, 93, 9. मकारुडुष्टोदा 4, 41, 23. — Vgl. अक्कोद,  
अरूपोद, तीरोद, घृतमण्डोद, लवणोद, शीतोदा u. s. w.

उदक s. u. उदञ्च.

उदकं (von 2. उद्) n. ÇANT. 1, 15. Uṇ. 2, 40 (in der klass. Sprache उदक).  
Wasser NAIKH. 1, 12. AK. 1, 2, 2, 4. 3, 6, 2, 22. H. 1069. RV. 1, 161, 10. 164,  
7. पिबं श्रुद्धमुदकमाचरती 40. 191, 14. 10, 102, 10. मण्डूका उदकादिव  
166, 5. AV. 1, 13, 4. उदनिषुर्कीरिति तस्मादुदकमुच्यते 3, 13, 4. 4, 16, 3.  
5, 14, 13. 19, 8. pl. 9, 2, 6. KĀTJ. Çr. 24, 6, 23. Çat. Br. 1, 8, 1, 6. 2, 2, 19.  
14, 5, 4, 12. 9, 4, 6. KĀTJ. Çr. 13, 3, 20. 25, 11, 16. Nir. 7, 23. M. 2, 99. 3,  
82. 99. 101. u. s. w. Hip. 1, 16. BHAG. 2, 46. R. 1, 9, 34. am Ende eines  
adj. comp. f. आ KĀTROP. 1, 3. MBh. 1, 2864. 13, 523. 14, 1163. R. 1, 1, 30.  
35, 9. 44, 16. 2, 59, 9. 3, 34, 13. 4, 44, 92. 6, 108, 42. उदकं दा (Jāṅg. 3, 21.  
R. 3, 73, 41), प्रदा (R. 4, 58, 37) oder कार् (M. 5, 88. 9, 186. 11, 182. Jāṅg. 3, 1. 5.  
R. 2, 103, 34. 3, 33, 31. 74, 1. 4, 8, 52. DAḢ. 2, 45. 49) einem Verstorbenen (gen.  
oder dat.) die Wasserspende darbringen; उदकं कृता oder उदककृत्य  
gaṇa सात्तादादि zu P. 1, 4, 74. कृतोदक der diese Cereemonie vollbracht  
hat MBh. 2, 2640. R. 1, 25, 3. 44, 60. 4, 58, 39. 59, 1. der die vorgeschrie-  
benen Abwaschungen vollbracht hat MBh. 3, 8141. Vgl. एकोदक und  
समानोदक. उदकमुपस्पृश die vom Gesetz vorgeschriebenen Berührungen  
einzelner Theile des Körpers mit Wasser vollbringen R. 1, 3, 2. M. 3, 208.  
die Handlung selbst heisst उदक schlechtweg: भूमावुदकार्यं प्रचक्रमे MBh.  
1, 790. im comp. mit einem coord. Begriff Wasser mit — verbunden;  
der Acut auf der Endsilbe des ersten Wortes P. 6, 2, 96. गुडोदक, ति-  
ल्लोदक Sch. M. 3, 223. कुशोदक 11, 212.

उदककर्मन् (उ + क) m. die einem Verstorbenen dargebrachte Was-  
serspense PĀR. GRHJ. 3, 10.

उदकार्य (उ + का) n. eine mit Wasser vollbrachte religiöse Hand-  
lung: Abwaschungen des Körpers MBh. 1, 791. Todtenspende R. 3, 73, 38.

उदकक्रिया (उ + क्रि) f. die einem Verstorbenen dargebrachte  
Wasserspense M. 5, 69. 70. 89. Jāṅg. 3, 4. R. 2, 103 in der Unterschr.

उदकक्रीडन (उ + क्री) n. das Spielen im Wasser MBh. 1, 4996.

उदकगाह (उ + गा) m. = उदगाह, das in's-Wasser-Gehen P. 6,  
3, 60.

उदकगिरि (उ + गि) m. ein wasserreicher Berg P. 6, 3, 57, Sch.

उदकचन्द्र (उ + च) Bez. einer Art Zauberei VJUP. 76.

उदकदान (उ + दा) n. = उदकक्रिया PRAB. 98, 3. Davon adj. उद-  
कदानिक auf die Todtenspende bezüglich: तोषकर्मणि चारव्ये राजामुद-  
कदानिके MBh. 1, 589.

उदकदायिन् (उ + दा) m. der die Todtenspende darbringt M. 5, 64.

— Vgl. एकोदक und समानोदक.

उदकपर्वत (उ + प) m. ein wasserreicher Berg P. 6, 3, 59, Sch.

उदकभार (उ + भा) m. = उदभार Joch zum Wassertragen P. 6, 3, 60.

उदकभूमि (von उ + भूमि) m. feuchter Boden P. 5, 4, 75, Vārtt. Vop. 6,  
84. var. l. उदग्भूम (s. d.)